दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय
गोरखपुर

एम0ए0 प्रथम वर्ष,
विषय–संस्कृत
पाठ्यक्रम

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र
वेद

1. ऋग्वेद–वरूणसूक्त (1.25), सूर्यसूक्त (1.115), उषस्सूक्त (3.61) पर्जन्य (5.83) सरमा पणिसंवाद (1.108)
2. अथर्ववेद–राष्ट्राभिवर्धनम् (1.29)
3. ऋग्वेद भाष्यभूमिका–सम्पूर्ण

द्वितीय प्रश्नपत्र
भाषाविज्ञान

1. **भाषाशास्त्र**– संघटनात्मक भाषाशास्त्र– भाषा की परिभाषा, भाषा, विभाषा, बोली आदि में अन्तर। भाषिक परिवर्तन, उसके कारण तथा दिशायें।
2. **भाषाओं का वर्गीकरण**–भारोपीय परिवार। भारतीय आर्यभाषाओं का विकास।
3. **भाषा के घटक**– स्वनिम (फोनिम), रूपिम (मारफीम), पदिम (टैक्सीम), अर्थिम (सेमेण्टिम), मानस्वर (कार्डिनल वावेल), वाग्ययंत्र, संस्कृत भाषा की रूप प्रक्रियात्मक संरचना । ध्वनि नियम। अर्थपरिवर्तन– कारण एवं दिशायें

तृतीय प्रश्नपत्र
भारतीय दर्शन

1. केशव मिश्र– तर्कभाषा
2. शकराचार्य– अपरोक्षानुभूति

चतुर्थ प्रश्नपत्र
काव्य एवं काव्यशास्त्र

1. मम्मट–काव्यप्रकाश, 1–2 उल्लास।
2. श्रीहर्ष– नैषधीयचरितम्, प्रथम सर्ग

पंचम प्रश्नपत्र
व्याकरण

लघुसिद्धान्त कौमुदी

क. तिङन्त्–भ्वादिगण की भू एवं एध् धातु तथा शेषगणों की प्रथम–प्रथम धातुओं की रूपसिद्धि।
ख. कृदन्त।

एम0 ए0 प्रथम वर्ष,
विषय–संस्कृत

द्वितीय सेमेस्टर

- द्वितीय सेमेस्टर के अन्त में मौखिक परीक्षा होगी।

प्रथम प्रश्नपत्र
वेद एवं उपनिषद्

1. ऋग्वेद–इन्द्रसूक्त (1.32), अश्विनौसूक्त (1.116), अग्निसूक्त (1.143) सवितासूक्त (4.54) नासदीयसूक्त (10.129)
2. अथर्ववेद–कालसूक्त (10.53)
3. उपनिषद्–तैत्तिरीयोपनिषद्– शीक्षावल्ली
4. वैदिक व्याकरण – वैदिक शब्दरूपों की विशेषताएँ, तुमर्थक प्रत्यय, लेट् एवं लुङ् लकारों के भेद।

द्वितीय प्रश्नपत्र
पालि प्राकृत एवं अपभ्रंश

1. **पालि–** धम्मपदसंगहो, बाबेरुजातकम्, पटिच्चसमुप्पादो, मायादेवियासुपिनं, चत्तारि अरियसच्चानि तथा तथागतस्स पच्छिमावाचा ।
2. **प्राकृत–** कर्पूरमंजरी, स्वप्नवासवदत्तम्, वसुदत्तकथा, अशोक–अभिलेख तथा गिरनार अभिलेख।
3. **अपभ्रंश–** दोहाकोश, सन्देशरासक, अपभ्रंशमुक्तकसंग्रह।

उपरिलिखित सभी पाठ 'पालि–प्राकृत–अपभ्रंश संग्रह' (डॉ0 रामअवध पाण्डेय एवं डॉ. रविनाथ मिश्र) से है ।

तृतीय प्रश्नपत्र
भारतीय दर्शन

1. ईश्वर कृष्ण–सांख्यकारिका
2. सदानन्द योगीन्द्र –वेदान्तसार

चतुर्थ प्रश्नपत्र
काव्य एवं काव्यशास्त्र

1. मम्मट–काव्यप्रकाश–नवम एवं दशम उल्लास
2. त्रिविक्रमभट्ट– नलचम्पू (आर्यावर्तवर्णन पर्यन्त)

पंचम प्रश्नपत्र
मौखिक परीक्षा

सहायक ग्रन्थ

पीटर पीटर्सन्	– हिम्स फ्राम दि ऋग्वेद, फर्स्ट सीरीज।
हरि दामोदर बेलणकर	– ऋक्सूक्तवैजयन्ती (वै.सं.मं.)
तैलंग एवं चौबे	– न्यू वैदिक सेलेक्शन, वाराणसी।
विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी	– वेदचयनम्।
एम. विण्टरनिट्ज	– हिस्ट्री ऑफ इण्डियन लिट्रेचर, भाग 1, खण्ड 1
ए0ए0मैक्डोनेल	– वैदिक माइथोलोजी।
डॉ0 सूर्यकान्त	– वैदिक देवशास्त्र।

डॉ0 सूर्यकान्त – वैदिक धर्म एवं दर्शन (हिन्दी अनुवाद)
डॉ0 सुधा रस्तोगी – ऋग्वेद में इन्द्र।
ब्लॉख एवं ट्रेगर – ऐन आउटलाइन ऑफ लिंग्विस्टिक एनालिसिस।
पी0डी0गुणे – इण्ट्रोडक्शन टू कम्पेरेटिव फिलोलोजी (पृ0 1–222)
डॉ0 बाबूराम सक्सेना – सामान्य भाषाविज्ञान
डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी – भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र।
डॉ0 हेमचन्द्र जोशी – प्राकृत भाषाओं का व्याकरण (हिन्दी अनुवाद)
सुकुमार सेन – ए कम्पेरेटिव ग्रामर ऑफ मिडिल इण्डो आर्यन।
वी0 टगारे – ए हिस्टारिकल ग्रामर ऑफ ऑफ अपभ्रंश।
ए.सी.वूल्नर – ऐन इण्ट्रोडक्शन टू प्राकृत (हिन्दी अनुवाद)
डॉ0 रामअवध पाण्डेय एवं रविनाथ मिश्र – पालि व्याकरण।
श्री कृष्णा वल्लभाचार्य – सांख्यकारिका।
डॉ0 रमाशंकर भट्टाचार्य – तत्वकौमुदीसहित सांख्यकारिका।
डॉ0 सन्तनारायण श्रीवास्तव – वेदान्तसार (लोकभारती, इलाहाबाद)
दत्त और चटर्जी – भारतीय दर्शन।
आचार्य विश्वेश्वर – तर्कभाषा।
बदरीनाथ शुक्ल – तर्कभाषा।
डॉ0 आद्याप्रसाद मिश्र – सांख्यतत्वकौमुदी–प्रभा।
बलदेव उपाध्याय – भारतीय दर्शन।
डॉ0 उमेश मिश्र – भारतीय दर्शन।
डॉ0 कृष्णकान्त त्रिपाठी – वेदान्तसार।
वामन झलकीकर – काव्यप्रकाश।
डॉ0 सत्यव्रत सिंह (सं0) – काव्यप्रकाश।
आचार्य विश्वेश्वर (सं0) – काव्यप्रकाश।
चण्डिका प्रसाद शुक्ल – नैषधपरिशीलन।
एच0एन0 हौण्डिकी – नैषधीयचरित ऑफ श्रीहर्ष।
गजेन्द्र गडकर – काव्यप्रकाश

एम0ए0 द्वितीय वर्ष,
विषय–संस्कृत

तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र (अनिवार्य)
व्याकरण एवं अनुवाद

1. सिद्धान्तकौमुदी–कारकप्रकरण।
2. हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद ।

वर्ग अ–वेद

द्वितीय प्रश्नपत्र
संहिता

1. ऋग्वेद संहिता–विश्वेदेवासूक्त (1.89) विश्वामित्र–नदी संवादसूक्त (3.33) इन्द्रसूक्त (6.27) अग्निसूक्त(7.4), सोमसूक्त (8.48)।
2. शुक्लयजुर्वेद–माध्यन्दिन संहिता–प्रथम अध्याय।
3. अथर्ववेद संहिता–दीर्घायुःप्राप्ति सूक्त (2.4), कृषिसूक्त (3.17)।

तृतीय प्रश्नपत्र
ब्राह्मण एवं मीमांसा

1. ऐतरेय ब्राह्मण–प्रथम पंचिका, 1–3 अध्याय।
2. वैदिक यज्ञ एवं पारिभाषिक शब्द–सामान्य परिचय।

चर्तुथ प्रश्नपत्र
वेदांग

1. ऋक्प्रातिशाख्य, 1–3 पटल
2. पारस्करगृह्यसूत्रम्–प्रथम काण्ड, 1–12 कण्डिका
3. सिद्धान्तकौमुदी–स्वर वैदिक प्रकरण से निम्नलिखित सूत्र–धातोः (6.1.162) अनुदात्तं च (6.1.190) लिति (6.1.193) कर्षात्वतोघञोऽन्त उदात्तः (6.1.159) समासस्य (6.1.223) बहुव्रीहौ प्रकृत्या पूर्वपदम् (6.2.1) दायाद्यं दायादे (6.2.5) तिङ्ङतिङः (8.1.28), नालुट् (8.1.29), गतिर्गतौ (8.1.70) तिङिचोदात्तवति (8.1.71)

वर्ग ब–व्याकरण

द्वितीय प्रश्नपत्र–प्रक्रिया

वरदराजाचार्य–मध्यसिद्धान्त कौमुदी, प्रारम्भ से भ्वादि पर्यन्त

तृतीय प्रश्नपत्र–व्याकरण दर्शन

भर्तृहरि–वाक्यपदीय, प्रथमकाण्ड

चतुर्थ प्रश्नपत्र–महाभाष्य एवं इतिहास

पतञ्जलि महाभाष्य : द्वितीय आह्निक
व्याकरण का इतिहास – (पाणिनीय व्याकरण)

वर्ग स–दर्शन

द्वितीय प्रश्नपत्र
न्याय वैशेषिक दर्शन

1. गौतम न्यासूत्र–वात्स्यायन (भाष्य सहित) प्रथम अध्याय

तृतीय प्रश्नपत्र

योग, आगम एवं बौद्ध दर्शन

1. पतंजलियोगसूत्र– समाधि एवं साधन पाद (व्यास भाष्य सहित)
2. गौडपाद–माण्डूक्यकारिका (प्रथम एवं चतुर्थ प्रकरण)

चतुर्थ प्रश्नपत्र

वेदान्त एवं मीमांसा

बादरायण–ब्रह्मसूत्र (चतुःसूत्री शांकर भाष्य सहित)

वर्ग द– साहित्य

द्वितीय प्रश्नपत्र

काव्यशास्त्र

1. मम्मट–काव्यप्रकाश–तृतीय से अष्टम उल्लास।

तृतीय प्रश्नपत्र

नाट्यशास्त्र

1. धनंजय–दशरूपक।

चतुर्थ प्रश्नपत्र

काव्य

1. कालिदास–मेघदूत, सम्पूर्ण।
2. अश्वघोष–बुद्धचरित–प्रथमसर्ग

पंचम प्रश्नपत्र

व्याकरण (अनिवार्य)

लघुसिद्धान्त कौमुदी

(क) णिजन्त–सन्नन्त, यङन्त, यङ्लुक्, नामधातु–पुत्रीयति, कृष्णति, शब्दायते, आत्मनेपद, परस्मैपद, भावकर्म, भूयते, कर्मकर्तृ, लकारार्थ।

(ख) तद्धित–अपत्यार्थ, रक्ताद्यर्थ, चातुरर्थिक, शैषिक, भावकर्माद्यर्थ, भवनादि, मत्वर्थीय, प्राग्दिशीय प्रागिवीय।

एम0ए0 द्वितीय वर्ष

विषय–संस्कृत

चतुर्थ सेमेस्टर

➢ चतुर्थ सेमेस्टर के अन्त में मौखिक परीक्षा होगी।

प्रथम प्रश्नपत्र (अनिवार्य)

व्याकरण एवं निबन्ध

1. व्याकरण महाभाष्य– (प्रथम आह्निक)
2. स्ववर्गीय शास्त्रीय निबन्ध।

ऐच्छिक वर्ग अ–वेद

द्वितीय प्रश्नपत्र

संहिता

1. ऋग्वेद संहिता–ब्रह्मणस्पति (2.23), सवितृ सूक्त (5.82), आप्रीसूक्त (7.2), इन्द्रावरूणसूक्त (7.83), ज्ञानसूक्त (10.71)
2. शुक्लयजुर्वेद–माध्यन्दिनसंहिता–द्वितीय अध्याय।
3. अथर्ववेदसंहिता–शालानिर्माणसूक्त (3.12) वनस्पति सूक्त (8.56)

तृतीय प्रश्नपत्र
ब्राह्मण एवं मीमांसा

1. शतपथ ब्राह्मण–प्रथमकाण्ड–एक से तीन अध्याय।
2. अर्थसंग्रह।

चतुर्थ प्रश्नपत्र
वेदाङ्ग

1. यास्क निरुक्त – अध्याय 1, 2 एवं 7
2. बृहद्देवता – प्रथम अध्याय।
3. वैदिक छन्दों का सामान्य परिचय मूल सात छन्द–गायत्री, उष्णिक्, अनुष्टुप्, त्रिष्टुप्, जगती, बृहती, पंक्ति।

वर्ग ब–व्याकरण

द्वितीय प्रश्नपत्र
प्रक्रिया

वरदराजाचार्य–मध्यसिद्धान्तकौमुदी–भ्वादि के पश्चात् सम्पूर्ण

तृतीय प्रश्नपत्र
व्याकरणदर्शन

नागोजिभट्ट–परमलघुमंजूषा–तात्पर्यनिरूपणान्त।

चतुर्थ प्रश्नपत्र–परिभाषा

1. नागोजिभट्ट–परिभाषेन्दुशेखर–प्रथमतन्त्र (परिभाषा 1–10)
2. वैयाकरण भूषणसार–लकारार्थ प्रकरण।

वर्ग स–दर्शन

द्वितीय प्रश्नपत्र
न्याय वैशेषिक

1. प्रशस्तपाद भाष्य (पदार्थधर्मसंग्रह) (द्रव्यखण्ड)
3. विश्वनाथ–सिद्धान्त मुक्तावली (शब्दखण्ड)

तृतीय प्रश्नपत्र– योग, आगम एवं बौद्ध दर्शन

1. नागार्जुन–पूर्वमाध्यमिककारिका–प्रकरण–13,18,24,25।
2. क्षेमराज–प्रत्यभिज्ञाहृदय।

चतुर्थ प्रश्नपत्र
वेदान्त एवं मीमांसा

1. वेदान्तपरिभाषा–प्रत्यक्ष, विषय एवं प्रयोजन परिच्छेद मात्र।
2. नारायण–मानमेयोदय (मेयखण्ड)

वर्ग द–साहित्य

द्वितीय प्रश्नपत्र
काव्यशास्त्र

1. आनन्दवर्धन–ध्वन्यालोक– प्रथम एवं चतुर्थ उद्योत
2. कुन्तक–वक्रोक्तिजीवित–प्रथम उन्मेष

तृतीय प्रश्नपत्र
दृश्य काव्य

1. शूद्रक– मृच्छकटिकम्
2. श्रीहर्षदेव– रत्नावली
3. भवभूति– उत्तररामचरितम्– (1 से 4 अंक तक)

चतुर्थ प्रश्नपत्र
गद्यकाव्य

1. बाणभट्ट– हर्षचरित–प्रथम एवं द्वितीय उच्छ्वास
2. दण्डी– दशकुमार चरितम् (विश्रुतचरित मात्र)

पंचम प्रश्नपत्र

➢ सभी वर्गों के लिए अनिवार्य मौखिक परीक्षा।

सहायक ग्रन्थ

श्री राज किशोर मणि त्रिपाठी (टीकाकार) सिद्धान्तकौमुदी–कारण प्रकरण–संस्कृत सेवा संस्थान, गोरखपुर। श्री राजकिशोर मणि त्रिपाठी–महाभाष्यम् (प्रथमाहिनक)

वर्ग अ–वेद

ऋग्वेद संहिता	– वैदिक संशोधन मण्डल, पूना।
हरिदामोदर वेलणकर	– ऋग्वेद, सातवां मण्डल (भारतीय विद्याभवन, बम्बई)
ए0ए0 मैक्डोनेल	– वैदिक ग्रामर फॉर स्टूडेण्ट्स।
डॉ0 सूर्यकान्त	– वैदिक देवशास्त्र (हिन्दी अनु0)
ए0बी0कीथ	– दी रिलिजन एण्ड फिलॉसफी ऑफ वेद एण्ड उपनिषद्स।
डॉ सूर्यकान्त	– वैदिक धर्म एवं दर्शन (हिन्दी अनु0)
एम0 विण्टरनिट्ज	– हिस्ट्री ऑफ इण्डियन लिटरेचर, भाग 1 खण्ड 1
मधुसूदन ओझा	– यज्ञसरस्वती।
चिन्नस्वामी शास्त्री	– यज्ञतत्त्वप्रकाश।
पाण्डुरंग वामन काणे	– हिस्ट्री ऑफ धर्मशास्त्र, भाग 2, खण्ड 2, अध्याय 29 एवं 30
डॉ0 सूर्यकान्त	– वैदिक कोश (यज्ञ शब्द)
डॉ0 के0पी0सिंह	– ए क्रिटीकल स्टडी ऑफ दी काव्यायन श्रौतसूत्र (बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय प्रकाशन)
प्रो0 कपिलदेव शुक्ल	– आपस्तम्बश्रौतसूत–एक अध्ययन (वैशाली प्रकाशन गोरखपुर)
गजेन्द्रगडकर (सं0)	– अर्थसंग्रह।
शुक्लयजुर्वेद माध्यन्दिन संहिता	– डॉ0 हरिशंकर त्रिपाठी, वेदपीठ प्रकाश इलाहाबाद।
सिद्धेश्वर वर्मा	– इटिमॉलॉजिज ऑफ यास्क।
विरेन्द्र कुमार वर्मा	– ऋक्प्रातिशाख्य (काशी हिन्दू वि0वि0)

विष्णुपद भट्टाचार्य – यास्काज निरुक्त (कलकत्ता)
शिवनारायण शास्त्री – निरुक्तमीमांसा (वाराणसी)
शिवनारायण शास्त्री – वैदिक निर्वचन (वाराणसी)

वर्ग ब–व्याकरण

प्रो0 के0 सुब्रह्मण्यम अय्यर – स्टडीज इन वाक्यपदीय।
वाक्यपदीय, प्रथम काण्ड, अम्बाकर्ती टीका सहित, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।
के0वी अभ्यंकर (सं0) – परिभाषेन्दुशेखर।
युधिष्ठिर मीमांसक – व्याकरण शास्त्र का इतिहास।

वर्ग स–दर्शन

ए0सी0चटर्जी – न्याय थिअरी आफ नॉलेज।
आनन्द झा – पदार्थशास्त्र–हिन्दी समिति, उत्तर प्रदेश।
दयाशंकर साहनी – न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (शब्द खण्ड)
करुणेश शुक्ल (सं0) – कणादसूत्रनिबन्ध।
रंगनाथ पाठक – षड्दर्शनरहस्य।
दासगुप्ता – योग फिलॉसफी।
जयदेव सिंह (सं0) – प्रत्यभिज्ञाहदयम्।
चटर्जी – कश्मीर शैवेज्म।
चटर्जी – हिस्ट्री आफ तन्त्र लिटरेचर इन कश्मीर
सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव – योगदर्शन।
डॉ0 शिवशंकर अवस्थी – प्रत्यभिज्ञाहृदयम्।
सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव – योगभाष्यसिद्धि।
राधाकृष्णन – इण्डियन फिलॉसफी, भाग–2
दासगुप्त – हिस्ट्रीआफ इण्डियन फिलॉसफी, भाग–5
सक्सेना – नेचर आफ कान्ससनेस इन इण्डियन फिलॉसफी।
एम0हिरियन्ना – आउटलाईन ऑफ इण्डियन फिलॉसफी।
देवस्थली–मीमांसा – लॉज ऑफ इण्टरप्रिटेशन।
डॉ0करुणेश शुक्ल – आचार्य गौडवाद और प्राचीन वेदान्त।
सी0कुन्हन राजा – मानमेयोदय।
स्वामी योगीन्द्रानन्द – मानमेयोदय।
डॉ0 सत्यदेव मिश्र – अद्वैतवेदान्त में आभासवाद।
डॉ0 शिवशंकर अवस्थी – कला और साहित्य की दार्शनिक भूमिका।

वर्ग–द–साहित्य

एस0के0डे0 – हिस्ट्री ऑफ संस्कृत पोएटिक्स।
बलदेव उपाध्याय – संस्कृत आलोचना, भारतीय साहित्यशास्त्र
पाण्डुरंग वामन काणे – हिस्ट्री ऑफ संस्कृत पोएटिक्स (अनु0भारतीय काव्यशास्त्र का इतिहास)।
आचार्य विश्वेश्वर – वक्रोक्तिजीवितम्।
डॉ0 रेवाप्रसाद द्विवेदी – अलंकारसर्वस्य।

डॉ0 सुरेशचन्द्र पाण्डे	– ध्वनि सम्प्रदाय तथा उसके विरोधी सिद्धान्त
डॉ0 दशरथ द्विवेदी	– वक्रोक्तिजीवित।
डॉ0 श्रीधर मिश्र	– बुद्धचरितम् नीलकमल प्रकाशन, गोरखपुर।
ए0 बी0 कोच	– संस्कृत ड्रामा–(अनु0संस्कृत नाटक)
सी0 बी0 गुप्ता	– संस्कृत थियेटर।
डॉ0 दशरथ द्विवेदी	– अभिनवरससिद्धान्त।
डॉ0 कृष्णकान्त त्रिपाठी	– मृच्छकटिकम्
डॉ0 शालिग्राम उपाध्याय	– मृच्छकटिकम्–शास्त्रीय सामाजिक एवं राजनीतिक अध्ययन (विश्वविद्यालय प्रकाशन, वारणसी)
डॉ0 भोलाशंकर व्यास	– दशरूपकम्
ए0बी0वीथ	– हिस्ट्री ऑफ इण्डियन लिटरेचर।
ए वेबर	– हिस्ट्री ऑफ इण्डियन लिटरेचर।
बलदेव उपाध्याय	– संस्कृत साहित्य का इतिहास।